नन्हा मछुआरा, हेनरी

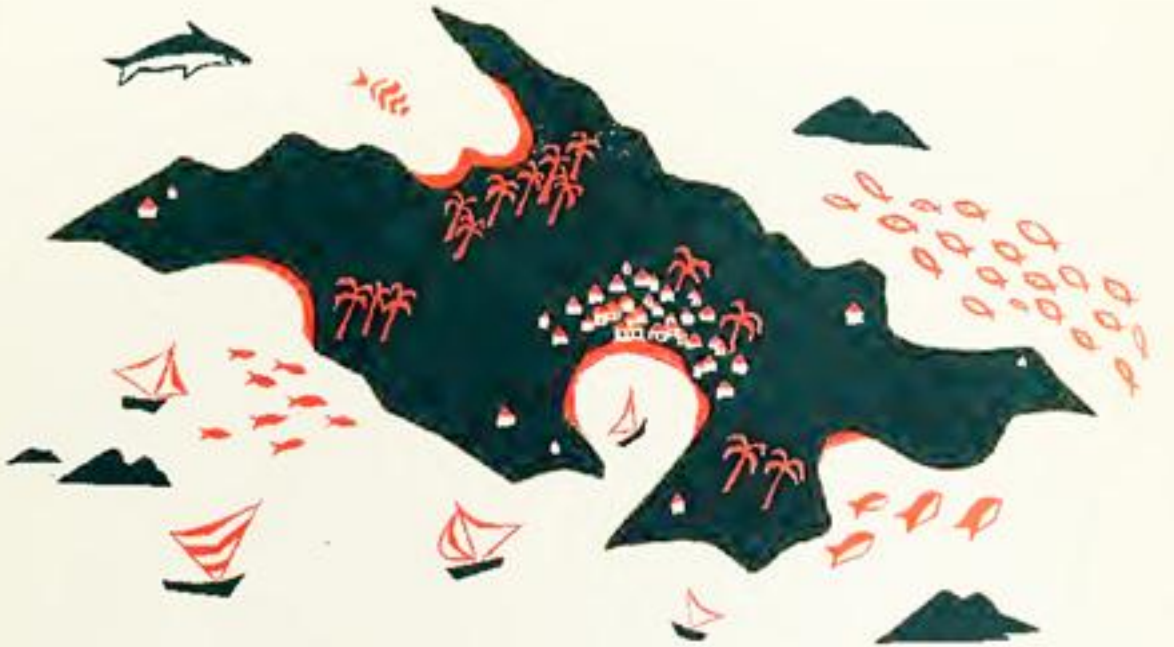

कैरिबियन सागर में बहुत दूर हेनरी का द्वीप है. वहाँ नीले पानी में कई रंगों की मछलियाँ खेलती रहती हैं. और सारा दिन सफ़ेद पालों वाली मछली पकड़ने वाली नावें तेज़ हवा के प्रभाव में, बन्दरगाह से सागर और सागर से बन्दरगाह, सुरक्षित आती-जाती रहती हैं.

निस्संदेह, अपने पिता जोनैस के समान हेनरी भी मछुआरा बनना चाहता था. उथले पानी में मछलियों के झुंड पर जाल फेंकना हेनरी पहले ही सीख गया था. गहरे पानी में जो बड़ी मछलियाँ कॉरल की चट्टानों में छिप जाती थीं, उन्हें वह भाले से पकड़ लेता था. और समुद्र तल पर सीपों के खोज करने के लिए वह अपनी सांस रोक कर सागर में गोता लगा सकता था.

मछुआरा बनने के लिए एक लड़के को गोता लगा कर मछलियाँ फँसाने वाली टोकरियाँ सागर के अंदर रख कर, रस्सी से चट्टानों के साथ बांधनी पड़ती थीं. घोंघे ढूँढने के लिए उसे पानी में बहुत नीचे गोता लगाना पड़ता था. और शार्क मछली से बचने के लिए उसे बहुत तेज़ तैरना पड़ता था.

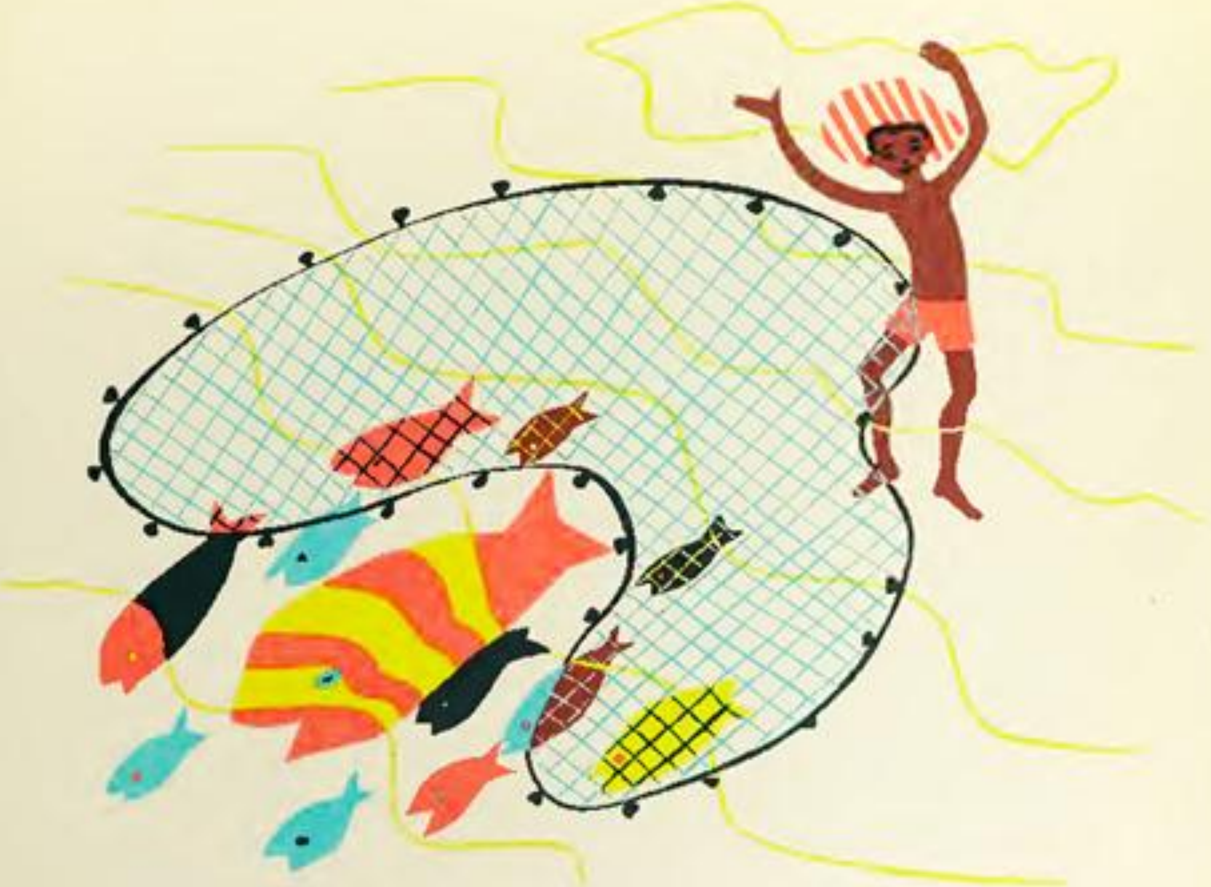

हेनरी बड़ी उत्सुकता से उस दिन की प्रतीक्षा कर रहा था जब वह इतना बड़ा हो जायेगा कि अपने पिता और दूसरे मछुआरों के साथ सुबह-सवेरे नाव में मछली पकड़ने जा पायेगा. संसार में उसकी सबसे बड़ी कामना थी मछली पकड़ने के लिए सागर में जाना.

"ओह, लड़के, सागर में जाने के लिए अभी तुम्हें और बड़ा होना है," उसके पिता ने उससे कहा. "तुम अच्छे गोताखोर हो. लेकिन शार्क अभी तुम्हें बहुत परेशान करती है, तुम इतने छोटे जो हो. वह तुम्हें खाना चाहती है."

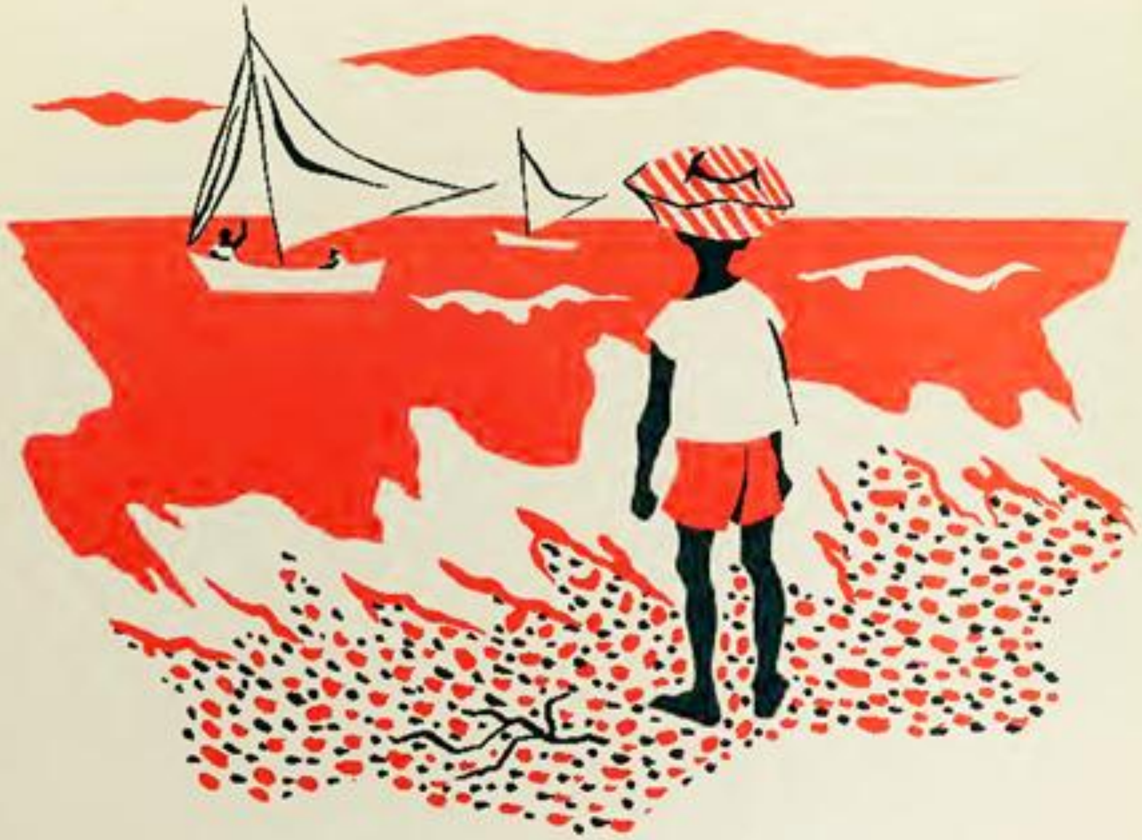

लेकिन, बड़े होने की प्रतीक्षा में, एक छोटा लड़का सेंट थॉमस जैसे द्वीप पर बहुत कुछ कर सकता था.

हर सुबह हेनरी और उसके दोस्त बन्दरगाह के पास लगे नल से पानी भरने के लिए पीपे और बाल्टियाँ ले जाते थे. हेनरी को उन सीढ़ीनुमा गलियों में घूमना पसंद था जिनके दोनों और गुलाबी और पीले और हरे रंग के घर थे और जिनकी दीवारों के पीछे छोटे-छोटे बगीचे छिपे थे. लौटते समय पानी से भरा हुआ पीपा उठाये जब उसे सीढ़ियाँ चढ़ना पड़ता था तब पिता की नाव पर लगे मस्तूल समान सीधा चलना होता था ताकि पानी की एक बूँद भी नीचे न गिरे.

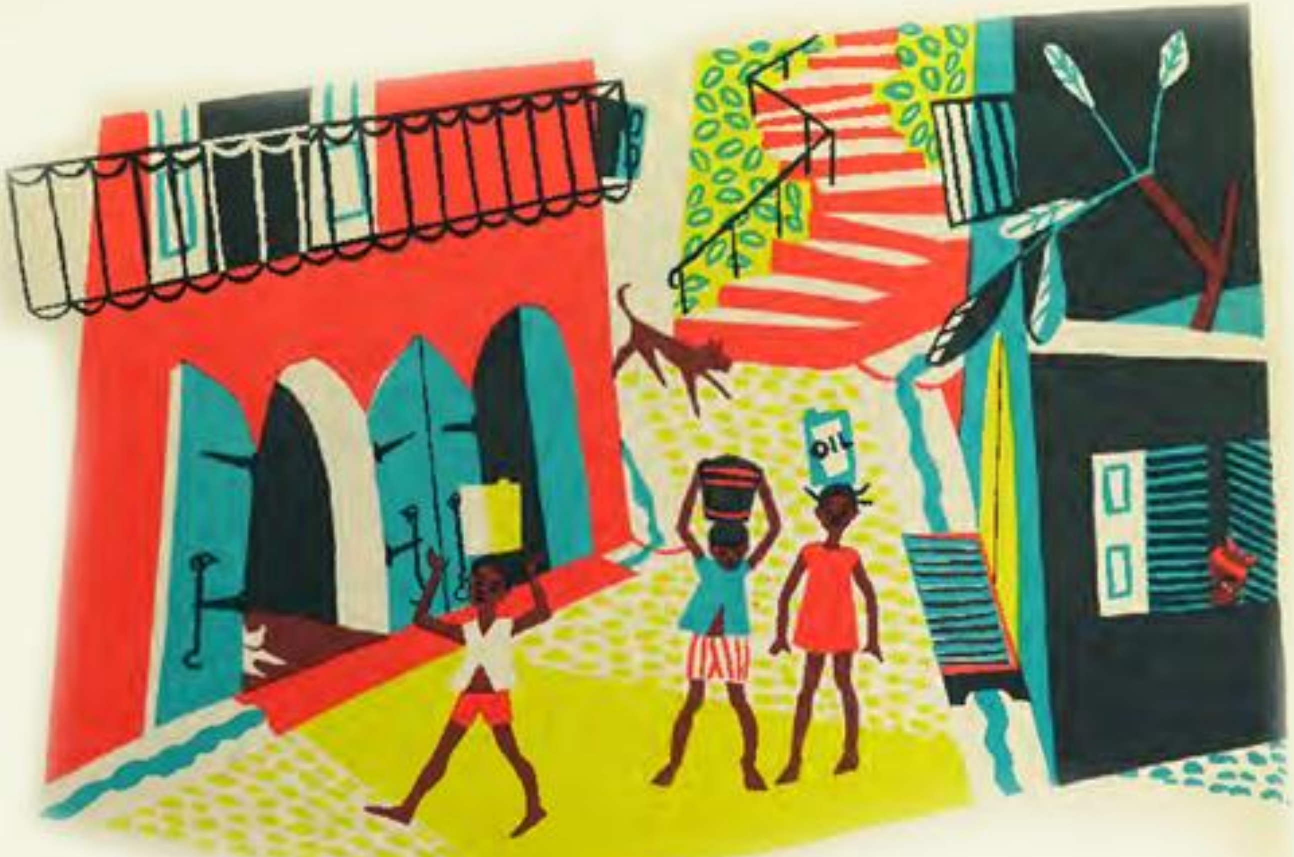

कभी-कभी उसके मित्र कहते, “अभी घर नहीं वापस जाते.” कोई जल्दी न करता था, सेंट थॉमस पर किसी को जल्दबाज़ी न होती थी.

कपड़े उतार कर सागर के ठंडे पानी में डुबकी लगाने का समय हर एक पास होता था. और जो अद्भुत चीज़ें सागर की लहरें तट पर छोड़ जाती थीं-शंख, घोंघे, समुद्री प्राणियों के अंडे-उन्हें ढूंढने के लिए सब के पास समय होता था. हर बार कोई न कोई नई वस्तु मिल ही जाती थी. एक बार हेनरी को एक पुराना टायर मिल गया था.

जब छोटी मछलियाँ झटपट किनारे की ओर आकर उनके पाँव के नीचे खेलतीं, हेनरी चिल्ला कर कहता, “गहरे पानी में शायद शार्क होगी!”

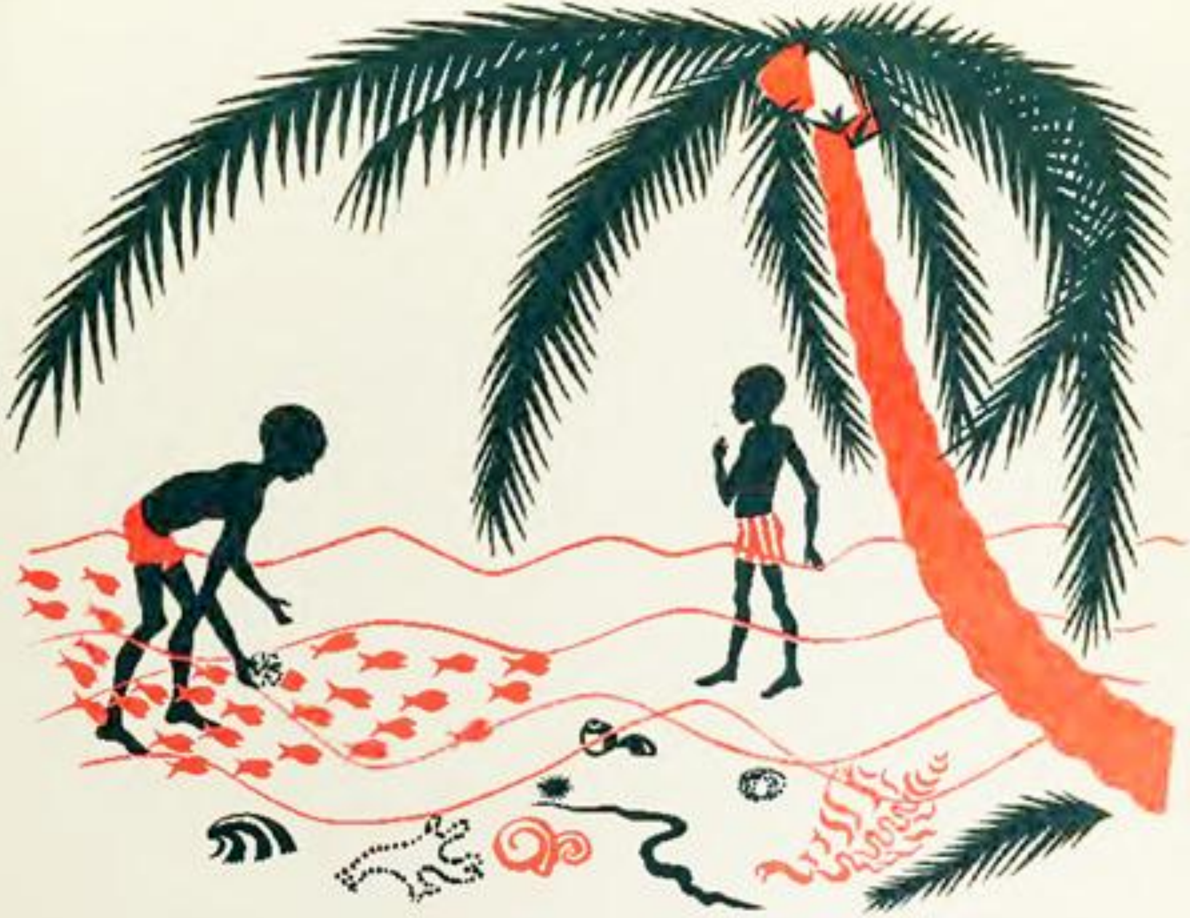

हेनरी उस दिन के बारे में सोचने लगा जिस दिन कपड़े धोये जाते थे. जिस समय उसकी बहन, बियांका, के लिए उसकी माँ नई ड्रेस सिल रही होती, वह और बियांका परिवार के कपड़े धोते. जब वह गीले कपड़े सुखाने के लिए कैक्टस की झाड़ियों पर फैलाते, तब पिता की नाव के सफ़ेद पालों समाने कपड़े हवा में फड़फड़ाने लगते.

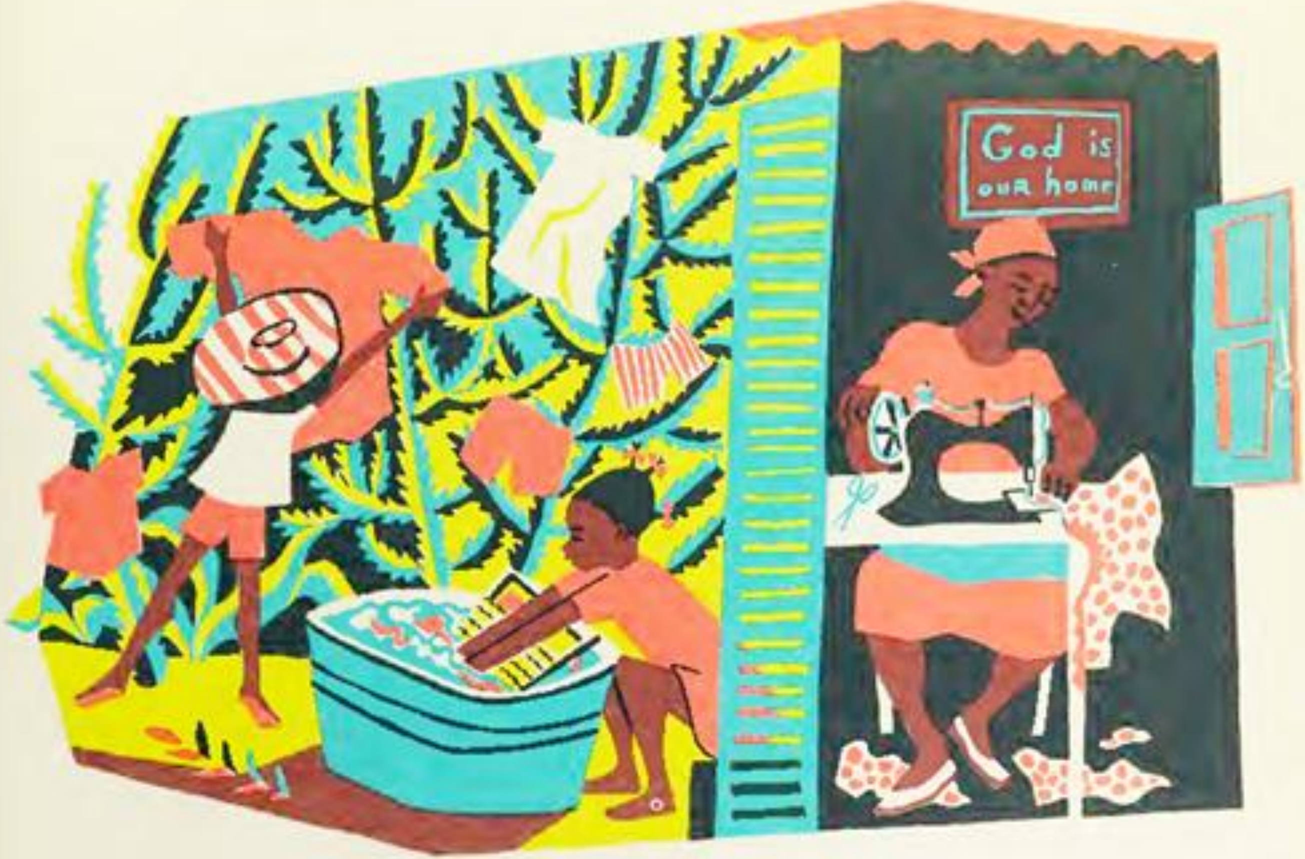

जिस दिन हाट लगता उस दिन भी हेनरी सागर के बारे में ही सोचता. शनिवार के दिन वह अपनी वैगन को नगर के बीच में स्थित बाज़ार में ले जाता और किसी छायादार जगह में खड़ा कर देता. उसकी माँ ने कहा था, "हेनरी, पपीता, अनानास, केले और आम लेकर आना." जब उसने एक आम को दांतों से काटा तो उसका मीठा, पीला रस उसकी ठोड़ी से नीचे बहने लगा. जो फल माँ ने मंगवाए थे उन्हें खरीदने के बाद उसके पास सिर्फ पांच सेंट बचे थे जिनसे वह मेज़ पर सजाने के लिए गुलाबी रंग के फूलों का एक गुच्छा ले सकता था.

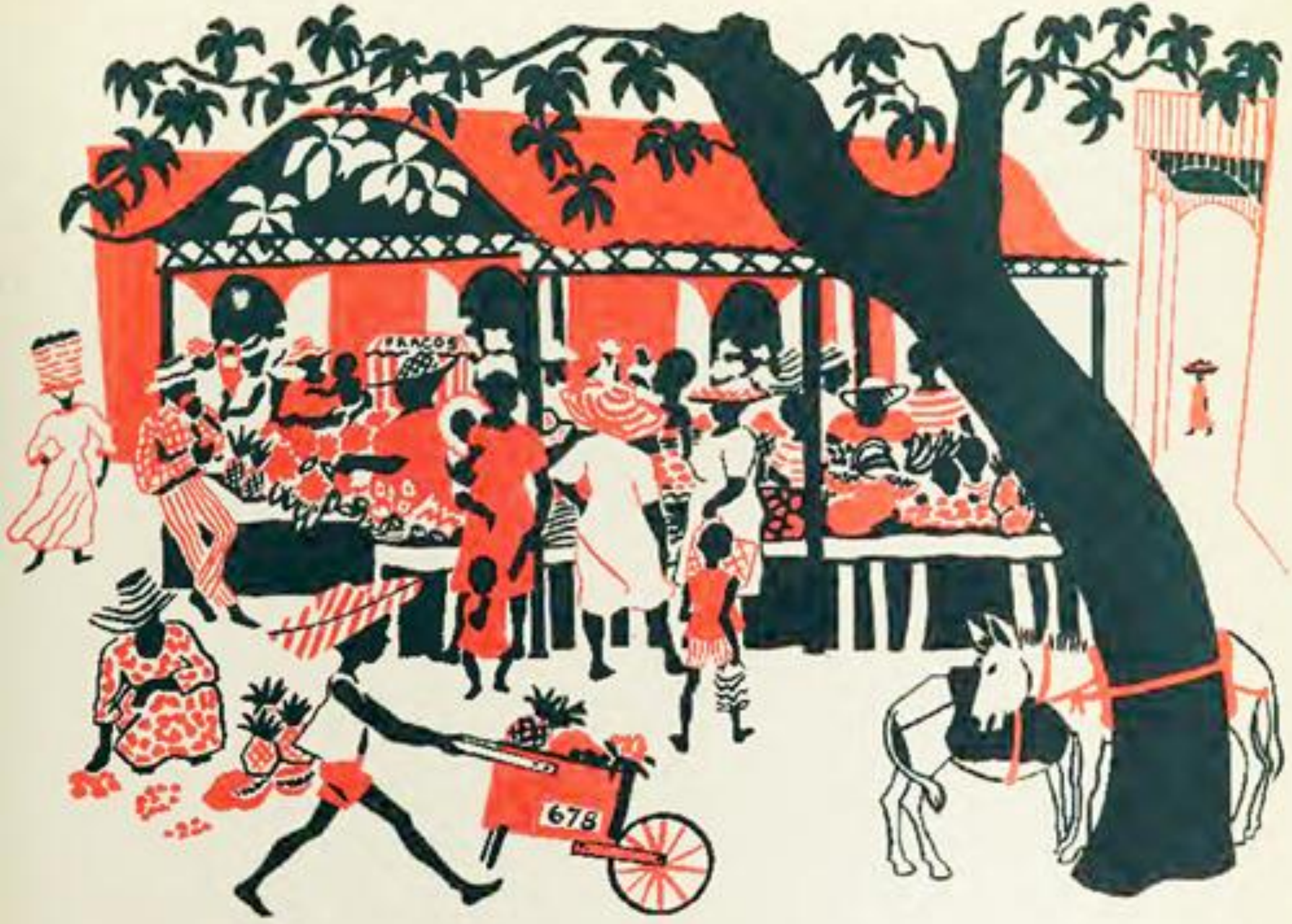

हेनरी और बियांका के पास तीन बकरियाँ थीं, जिम्मी, ऐनी और एलेनोर जिन्हें घास खिलाने के लिए वह पहाड़ी के ऊपर चरागाह ले जाते थे और खूँटियों से बाँध देते थे. बकरियों को ताज़ा घास के निकट ले जाने के लिए वह पहाड़ी पर फिर जाता और उन्हें किसी दूसरी जगह बाँध देता. तब वह ऐनी का एक कप मीठा, स्वादिष्ट दूध निकालता और पी लेता. पहाड़ी पर आराम करते हुए वह सुनहरी घास को हवा में सागर की लहरों समान लहराते हुए देखता.

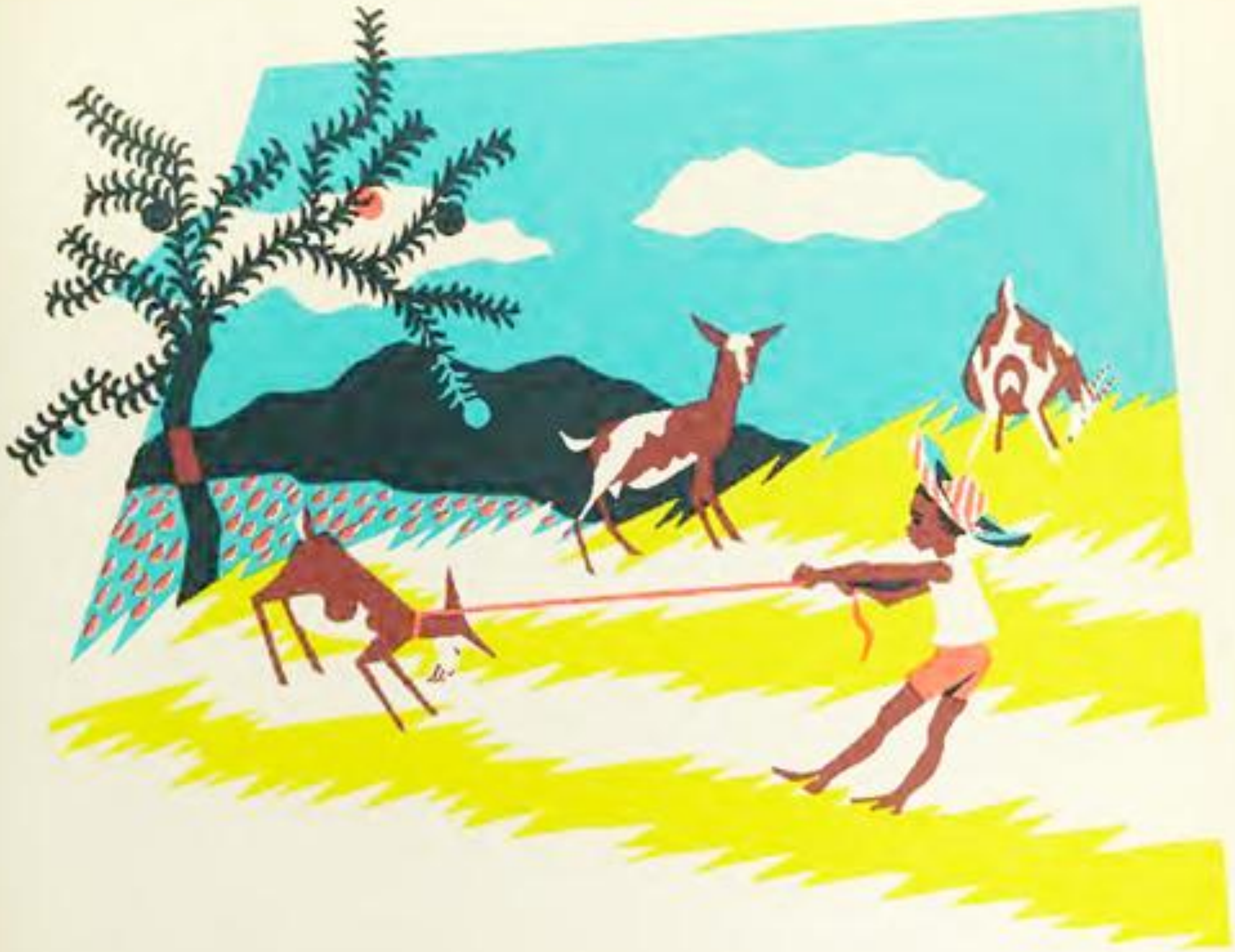

एक दिन हेनरी की माँ ने कहा, “आज रात नारियल की पुडिंग क्यों न बनाई जाए, हेनरी?” अपने गधे पर बैठ कर हेनरी दूर नारियल के पेड़ों के उपवन की ओर गया. उसे वह उपवन बहुत अच्छा लगता था क्योंकि वह जगह बहुत ही शीतल थी और नारियल के लंबे पत्तों से हवा वैसे ही टकराती थी जैसे सागर के पानी से टकराती थी.

ऊपर आकाश को छूते पेड़ों के शिखरों पर हेनरी को चमकिले हरे और खुरदरे भूरे नारियल दिखाई दे रहे थे. एक आदमी ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया और हेनरी के लिए नारियल तोड़ने लगा. धडाम! धड़ाम! नारियल नीचे गिरने लगे. “नारियल का पानी पीना चाहते हो?” उस आदमी ने पेड़ से नीचे आते हुए पूछा. उसने एक हरे नारियल को ऊपर से काटा ताकि हेनरी नारियल का मीठा पानी पी सके. “मम्म,” हेनरी ने कहा, “बढ़िया है!” फिर उसने जेल्ली समान कच्चा नारियल खुरच कर निकाला और खा लिया.

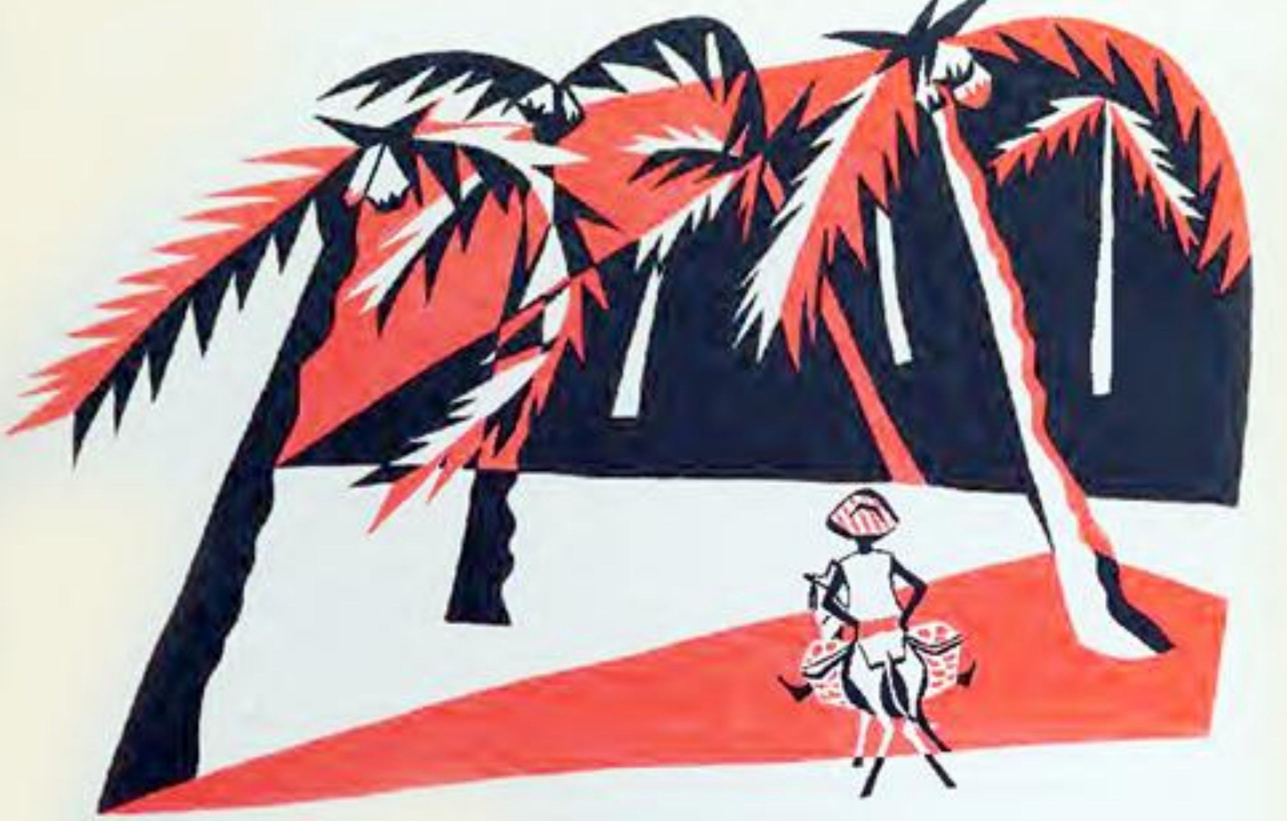

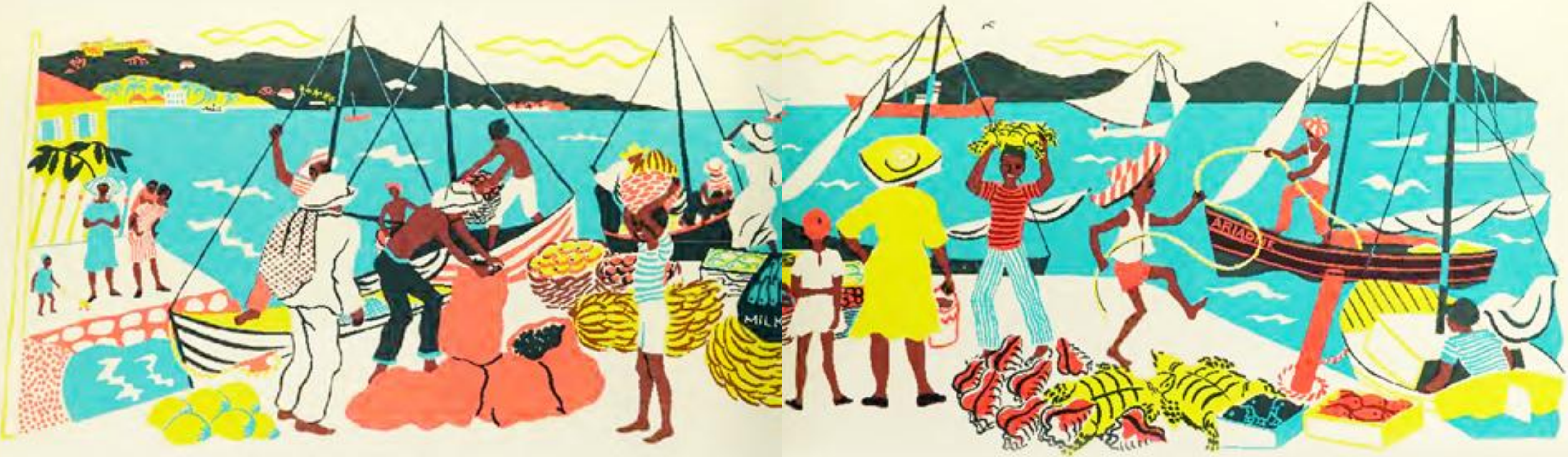

लेकिन हेनरी का अधिकांश समय गोदी में ही बीतता था. चारकोल और आमों से भरी नावें टोर्टोला द्वीप से यहाँ ही आती थीं. यहीं पर मछलियों से भरी मछुआरों की नावें आती थी. यहीं पर गुलाबी घोंघों और हरे समुद्री कछुओं से भरी नावें आती थीं, जिनसे स्वादिष्ट सूप बनता था.

लेकिन सबसे अच्छी बात यह थी कि यहीं उसके पिता, जोनैस, की नाव एरियाडने के पाल नीचे किये जाते थे और वह गोदी के अंदर आ जाती थी. जैसे ही नाव को बाँधने के लिए पिता ने रस्सी हेनरी की ओर फेंकी, उन्होंने कहा, “कल मुझे एक सहायक की ज़रूरत है, लड़के. तुम छोटे हो. लेकिन तुम अच्छे गोताखोर हो. कल मछली पकड़ने चलना है?” हेनरी प्रसन्नता से नाचने लगा.

उस रात हेनरी सो ही न पाया क्योंकि वह अगली सुबह के बारे में सोच रहा था. उसे ताड़ के पेड़ों के पत्तों के कटकटाने और झाड़ियों में बैठे कीटों की धीमी आवाजें सुनाई देती रहीं. और इन सब के पीछे थी, गोदी पर लहरों की तट के पत्थरों से टकराने की आवाजें.

दुकानों के शटर अभी बंद ही थे जब रात के अँधेरे में हेनरी और उसके पिता गोदी आये. एरियाडने उनकी प्रतीक्षा कर रही थी. जोनैस ने मुख्य पाल की रस्सी खोली और हेनरी ने नाव को धक्का दिया. “हवा आओ और पाल को फैला दो!” जैसे ही वह बंदरगाह से बाहर निकले उन्हें पहाड़ियों में कोयलों के गीत सुनाई देने लगे. हवा चलने लगी और उनकी नाव खुले सागर की ओर जाने लगी.

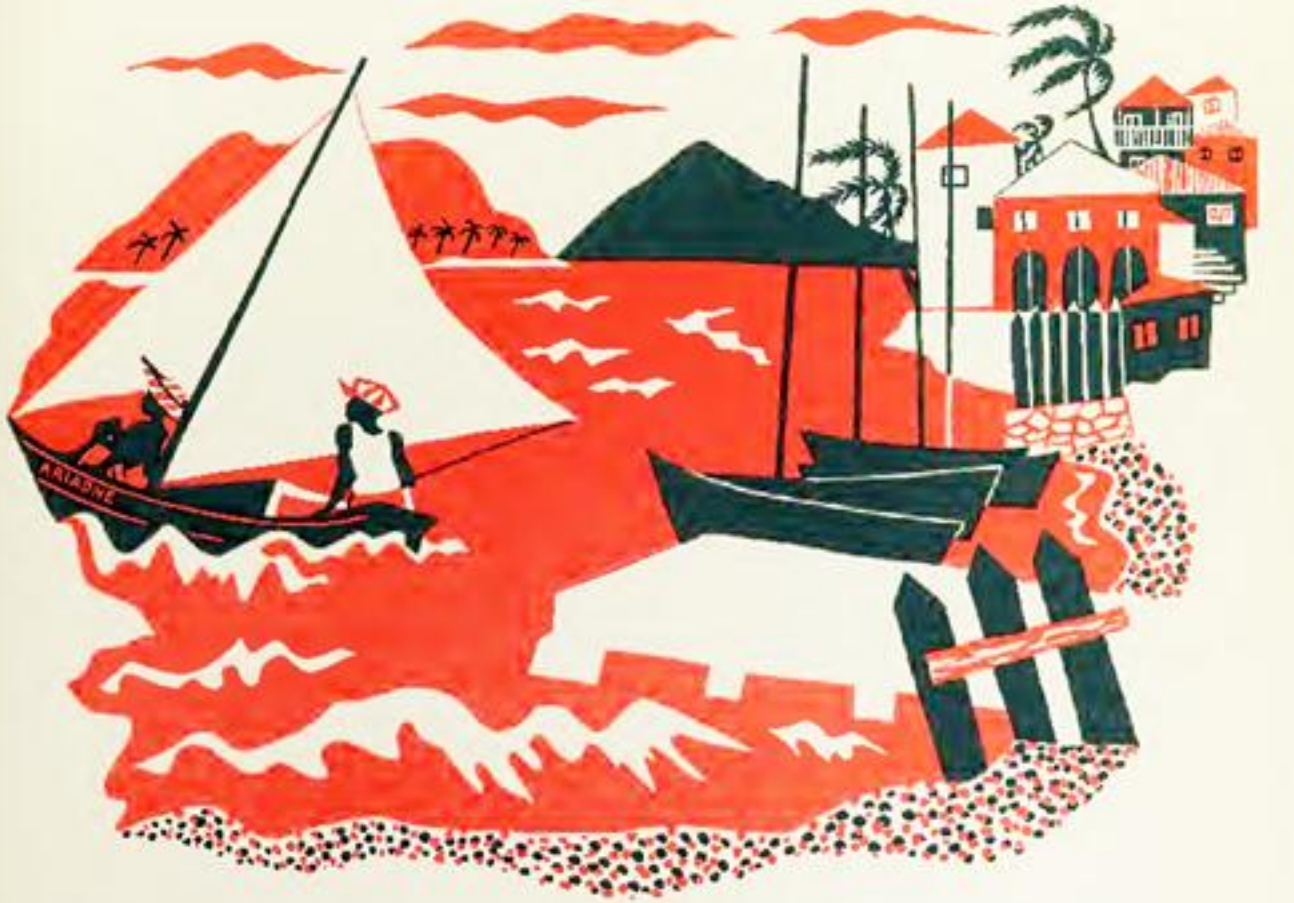

सारी सुबह वह मछली पकड़ने की डोरियाँ खींचते रहे और चमकदार मछलियों से भरे जाल पानी से बाहर निकालते रहे. उन्होंने पानी में तैरते लकड़ी के वह टुकड़े ढूँढे जो मछली पकड़ने की टोकरियाँ के साथ बंधे थे. “लड़के, पानी में गोता लगाओ और उन टोकरियों को खोल दो,” जोनैस ने हेनरी से कहा. हेनरी ने पानी में गोता लगाया और उन रस्सियों को खोलने लगा जिन से वह टोकरियाँ नीचे अंधियारे पानी में चट्टानों के साथ बंधी थीं. उसने उस लंबी, हरी परछाई को नहीं देखा जो चुपके से उसके पीछे तैरती आ रही थी.

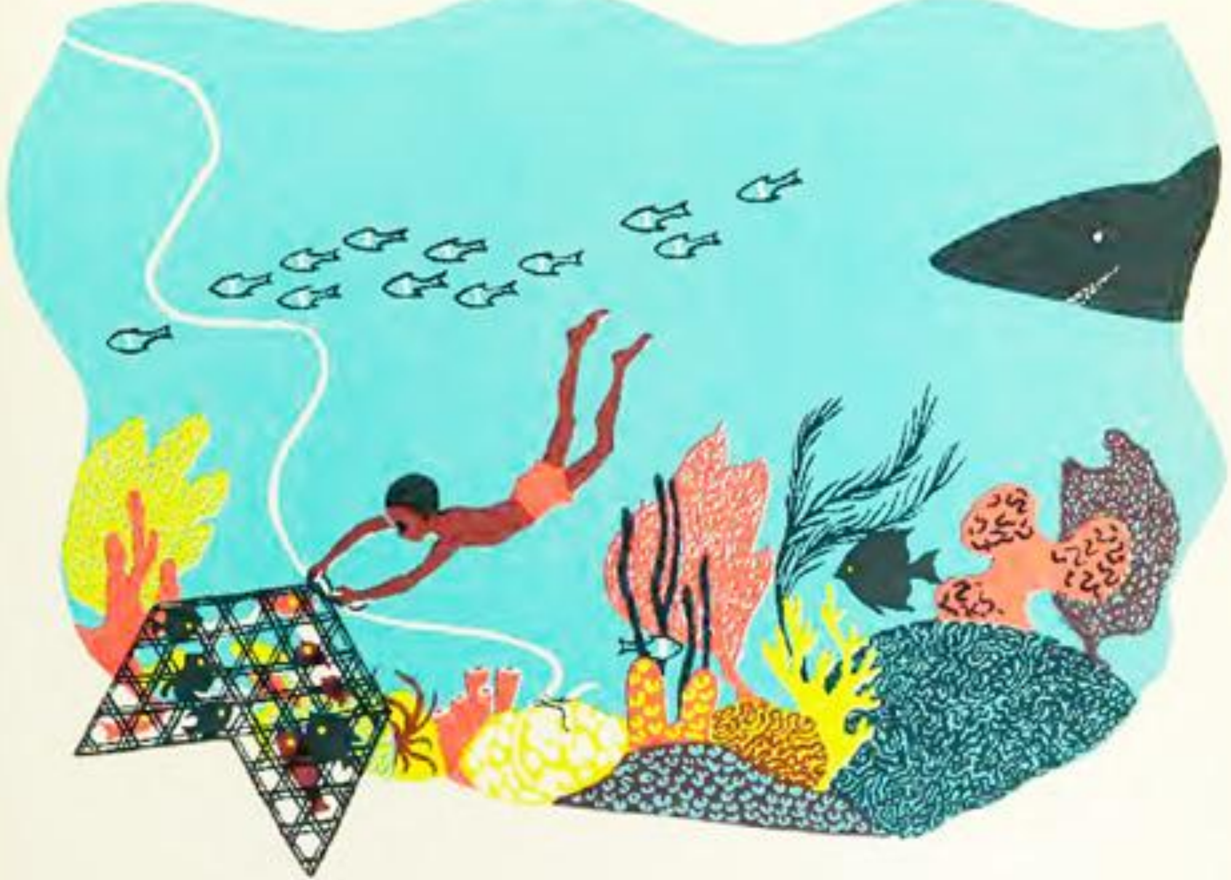

लेकिन उसके पिता, जोनैस, देख रहे थे. हेनरी बड़ी फुर्ती से पानी से बाहर आया. तब उसने शार्क को देखा जो उसी पल उसके पीछे-पीछे पानी से बाहर उछली. जोनैस ने झटपट उसे पकड़ कर नाव में खींच लिया. “लड़के, भगवान् को धन्यवाद दो! शार्क तुम्हें खाने ही वाली थी.”

अंतत नाव मछलियों से भर गई. “अब हम घर लौट जायेंगे. तुम कमाल के मछुआरे हो,” पिता ने गर्व से कहा.

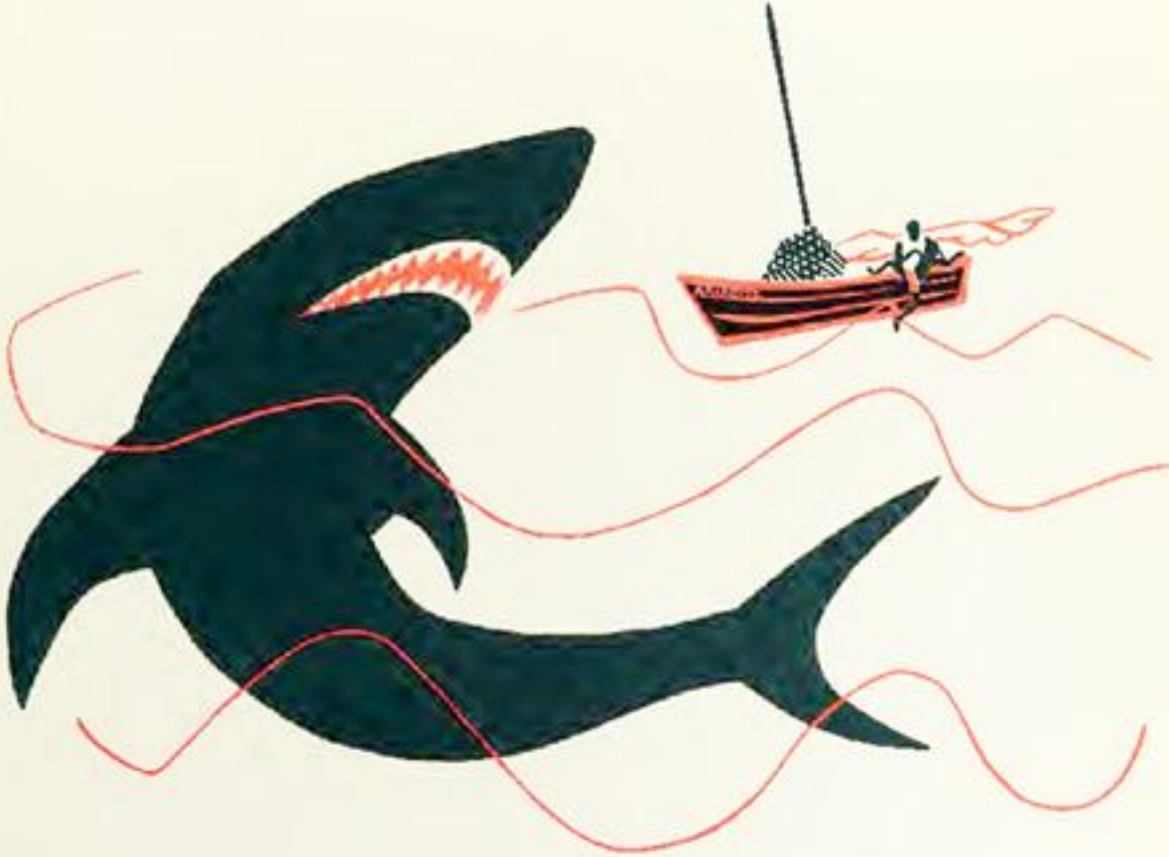

जैसे ही एरियाडने बंदरगाह में वापस आई, गोदी पर जमा भीड़ में हेनरी ने माँ और बियांका को देखा. उसने एक शंख होंठों से लगाया और उसे ज़ोर से बजाया. उसकी माँ और बियांका समझ गईं की आज उन्होंने खूब मछलियाँ पकड़ी थीं.

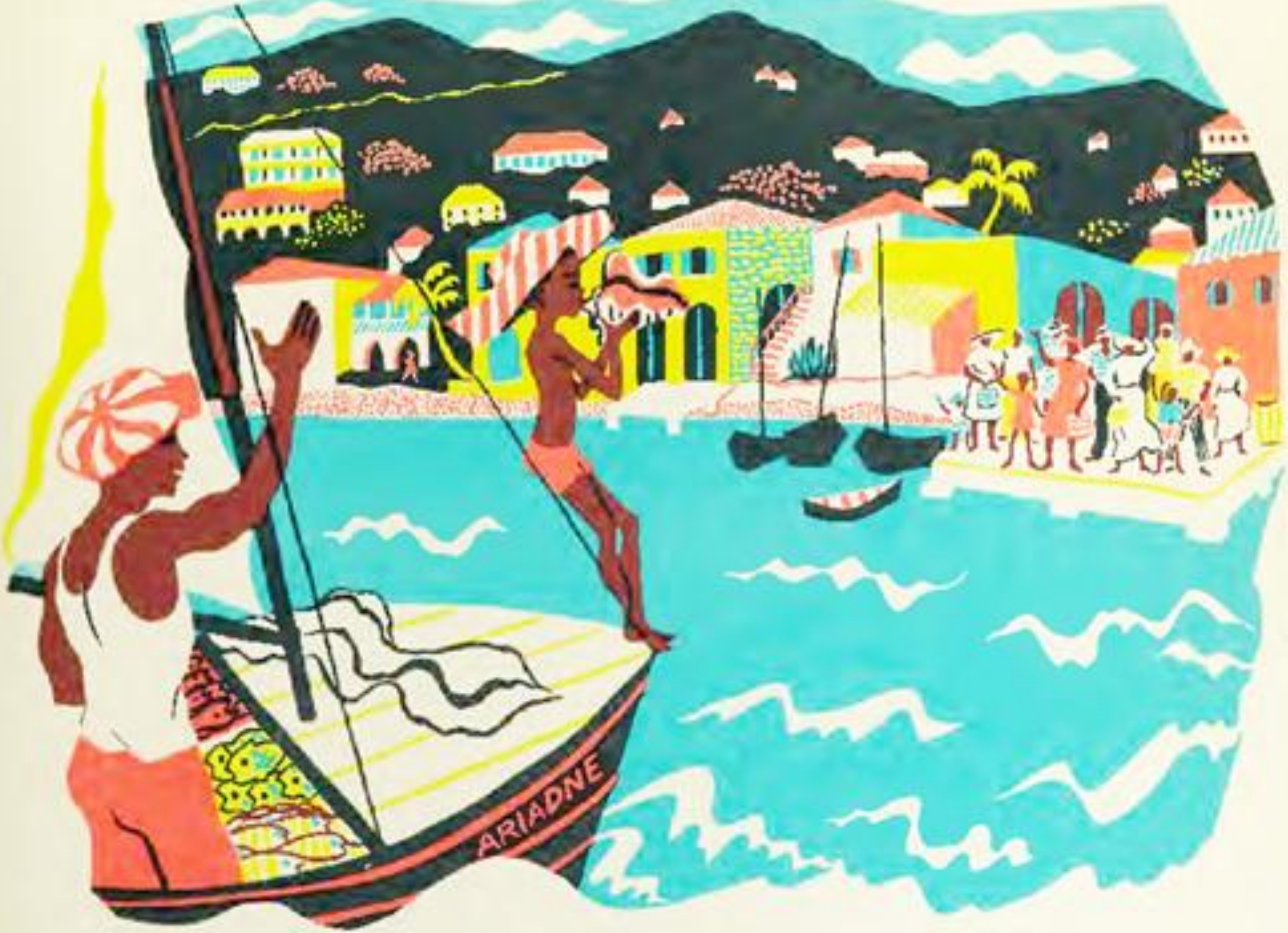

जैसे ही एरियाडने किनारे के निकट आई, हेनरी ने डोरी में फंसी मछलियाँ ऊपर उठा कर दिखाईं. “बहुत सारी मछलियाँ हैं,” लोग चिल्लाये. “बहुत सारी मछलियाँ हैं.” जब जोनैस और हेनरी मछली से भरे बॉक्स नाव से बाहर ला रहे थे, जोनैस ने कहा, “आज शार्क हेनरी को पकड़ने ही वाली थी. लेकिन हेनरी बहुत अच्छा गोताखोर है, इतना तेज़ कि शार्क इसे पकड न पाई.” आश्चर्य से बियांका की आँखें चौड़ी हो गईं. उसकी माँ ने सर हिलाया. लेकिन हेनरी मुस्करा दिया. मछली पकड़ने की अपनी पहली ही यात्रा में हर किसी लड़के को शार्क का सामना नहीं करना पड़ता.

सब घर चल दिए. सारे रास्ते हेनरी माँ और बियांका को शार्क के बारे में बताता रहा. “मैं उस शार्क से अधिक तेज़ हूँ,” उसने हँसते हुए कहा. “उस बड़ी शार्क से बहुत तेज़!”

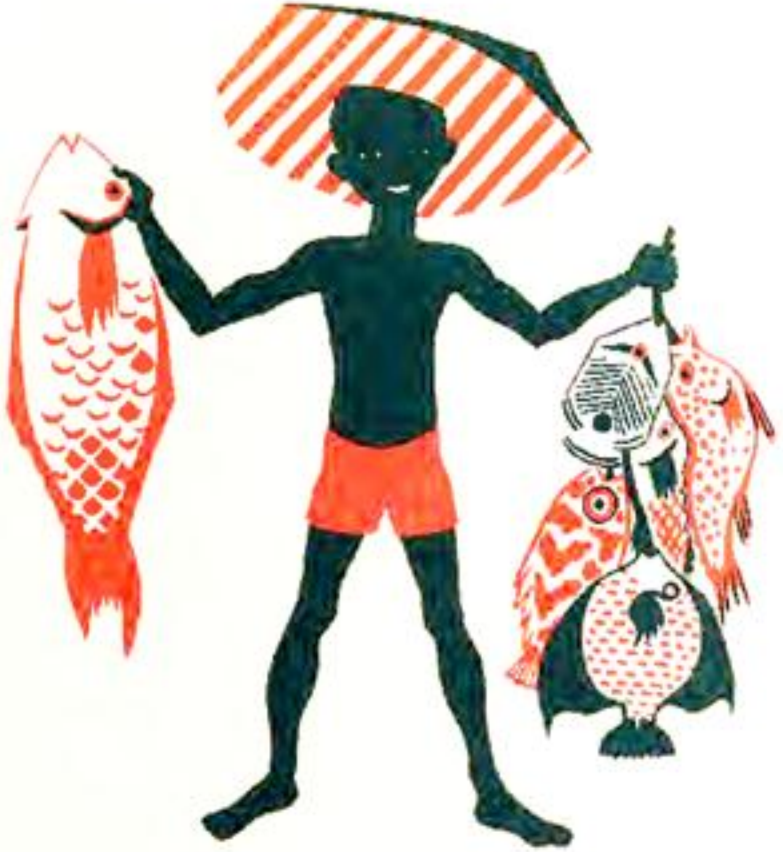

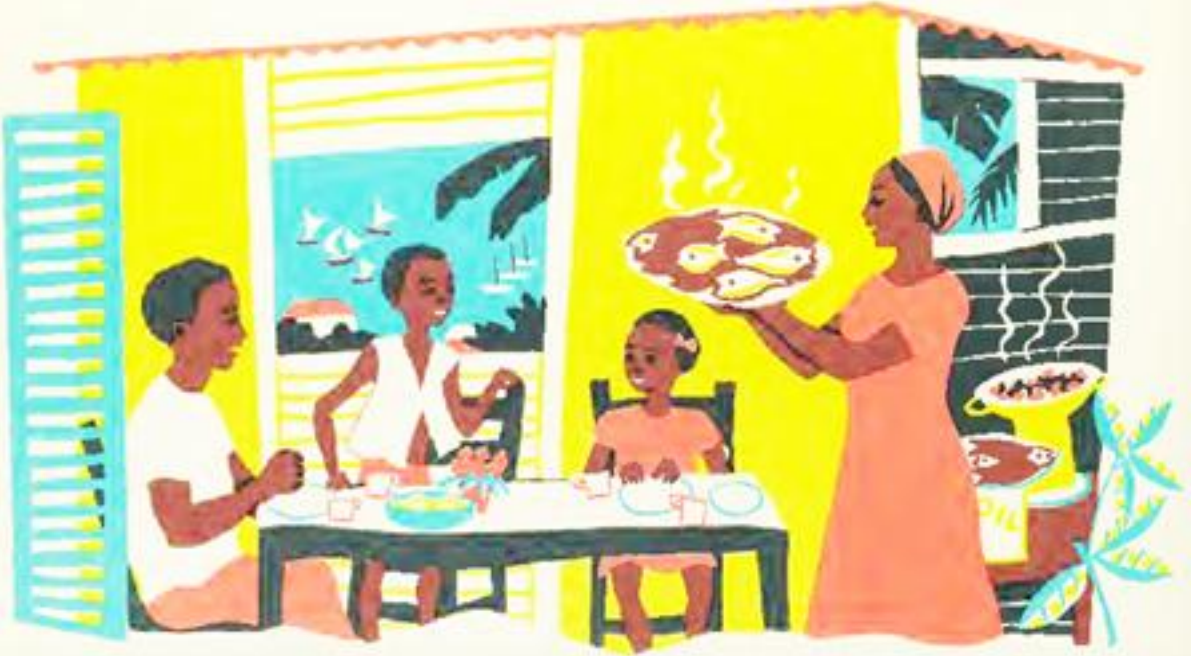

उस रात माँ ने गरमागरम फुन्गी के साथ थाली भर कर तली हुई मछली परोसी. फिर उसने हेनरी से कहा, “बैठ जाओ और खाना खाओ, लड़के. अब तो तुम पक्के मछुआरे बन गये हो, सच में!”

उस दिन के बाद हर सुबह हेनरी अपने पिता के साथ मछली पकड़ने के लिए एरियाडने में गहरे नीले सागर जाता था.

समाप्त